आकर्षण इतना क्यों है इनमें

- राजयोगी ब्र.कु. अनुज,दिल्ली

बहुत सारे देवी-देवताओं की चर्चा होती है लेकिन आकर्षक, मनमोहक, अप्रतिम, अद्वितीय, अगर कोई प्रतीमा किसी को बहुत भाती है तो वो है श्रीकृष्ण की। कारण क्या है? क्योंकि शास्त्रगत वर्णन में भी देखा जाए तो श्रीकृष्ण को पूर्ण अवतार का नाम दिया जाता है। और श्रीराम जी को अंश अवतार कहते हैं। तो पूर्ण अवतार और अंश अवतार को बहुत सामान्य भाषा में समझने का प्रयास करते हैं। कहा जाता है कि जो पूर्ण होना चाहता है, सम्पूर्ण होना चाहता है वो अपने आप को परमात्मा की महिमा के साथ जोड़ता है। माना जैसा परमात्मा है वैसा अपने व्यक्तित्व को बनाता है।

परमात्मा अनंत है, अविचल है, बहुत ऊंचा है, श्रेष्ठ है, अति श्रेष्ठ है। अब वो ऊंचाई प्राप्त करने के लिए, वो शून्यता प्राप्त करने के लिए अपने को पूरी तरह से झोंक देना, अगर अपने व्यक्तित्व को परमात्मा के व्यक्तित्व के साथ जोड़ा तो श्रीकृष्ण ने जोड़ा। जो पूरी तरह से अपने व्यक्तित्व को खो दिया। खोने का अर्थ है कि अगर मैं किसी भी धार्मिक पिता या धर्म पिता चाहे वो बुद्ध हों या महावीर जैन हों, चाहे गुरुनानक देव जी हों या अन्य अनेक जो धर्म गुरु हैं उनको अगर एक सांचे में ढाला जाए तो हमेशा उनका एक व्यक्तित्व है, उनका एक चेहरा है कि गुरुनानक जी ऐसे ही होने चाहिए। बुद्ध जी ऐसे ही बैठे हुए होने चाहिए, इसामसीह जी ऐसे ही अंगुली ऊपर करके खड़े होने चाहिए सबकी एक प्रतिमा, आकृति एक मन मस्तिष्क के ऊपर छपी हुई है। लेकिन कृष्ण को आप किसी भी रूप में यूज कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा शास्त्रगत दिखाया गया।

कोई संत, कोई भी कवि उनको कभी बालकृष्ण के रूप में यूज कर रहा है, कोई युवा कृष्ण के रूप में यूज कर रहा है, कोई प्रेम के लिए यूज कर रहा है। यहाँ तक कि जो दुनिया में गलत काम करने वाले जिसको हम एक तरह से चोरी करने वालों को कहें वो भी कहते हैं कि कृष्ण चोर था। तो उन्होंने कृष्ण को वैसा भी यूज किया। तो अगर इसको इस तरह से देखा जाए तो ये बहुत बड़ा ऑरकेस्ट्रा है जिसमें अलग-अलग वाद्ययंत्र है, और हरेक वाद्ययंत्र में भी वही छवि सबको नजर आ रही है। कोई उसको ढोलक के रूप में यूज कर रहा है, कोई तबले के रूप में यूज कर रहा है। कोई किसी भी तरह से उसको यूज कर रहा है।

तो इतना आकर्षण इसीलिए तो है कि वो कुछ भी बन जाता है। भक्ति में गायन भी है कि "कभी राम बनके, कभी श्याम बनके चले आना, प्रभु जी चले आना"। माना परमात्मा की कम्प्लीट छवि को किसी का नाम है तो वो है श्रीकृष्ण जी का। तो ये है पूर्ण अवतार का अर्थ जो अपने आप में रहा नहीं, सम्पूर्ण समर्पण हो गया परमात्मा के लिए। अब वो समर्पणता को ही हम समझ नहीं पाते कि कृष्ण का व्यक्तित्व इतना आकर्षक क्यों है? इसीलिए जब तक हमको एक भी अवगुण, एक भी चिंतन, एक भी कर्म ऐसा होगा जो हमारे व्यक्तित्व को कहीं न कहीं से डाउन करे, नीचा गिराए, तो वो हमको व्यक्तित्व के साथ जुड़ने में मददगार नहीं होगा।

इसीलिए श्रीराम चंद्र जी को एक मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में दिखाया गया। राम को जीवन के रूप में दिखाया गया, कि ऐसे जीवन जीना चाहिए। लेकिन कृष्ण को कलाकार के रूप में दिखाया गया, जो है भी, नहीं भी। एक सेकण्ड में बाल गोपाल बन गया, एक सेकण्ड में माखन चुरा रहा है, एक सेकण्ड में कपड़े चुरा रहा है, एक सेकण्ड में कुछ और कर रहा है, तो इतने सारे रूप बहुरुपी की तरह उन्होंने देखा और लोग उसी व्यक्तित्व को पसंद करते हैं। तो ऐसे अप्रतिम, अद्वितीय, अति आकर्षण, मनमोहक, निर्मोही श्रीकृष्ण को हम क्यों न पसंद करें! तो चलो इस जन्माष्टमी पर उनके अन्दर, उनके व्यक्तित्व में झांक कर अपनी एक झांकी बनाएं।

अपने अन्दर उतार दिया और अपने आप की पर्सनैलिटी को खो दिया परमात्मा की पर्सनैलिटी के साथ कि वो जीरो है। न कम है, न ज़्यादा है, न ऊंचा है, न नीचा है, बैलेंस्ड। किसी के लिए कोई दुर्भावना नहीं, सभी के लिए सद्भावना। इसीलिए कृष्ण के व्यक्तित्व में इतना आकर्षण है। और लोग उस व्यक्तित्व को पसंद भी करते हैं। पूरी दुनिया उनको नेक्स्ट टू गॉड भी कहती है, कि अगर परमात्मा के ब.।द

उपलब्ध पुस्तकें

प्रश्न : मैं रितवी हूं, मुंबई वेस्टिवली में रहती हूं। मेरे परिवार में मेरी सास, मेरे हस्बेंड और मेरी तीन साल की बेटी है। मैं विद्यालय से जुड़ी हुई हूं। मुझे तीन साल से रात को तेज भयानक सपने आते हैं। इसमें मुझे अलग-अलग लोग, अलग-अलग जगह दिखाई देते हैं। जिन्हें मैंने कभी नहीं देखा। ये क्या है मुझे समझ नहीं आ रहा, इसलिए मैंने भगवान का नाम स्मरण करना शुरू किया। जब भी नाम स्मरण करके सोती हूं तो और भी भयानक सपने आने लगते हैं। और जब मैं मेडिटेशन करके सोती हूं तो ये और ज़्यादा बढ़ जाते हैं। तो इसका कारण क्या है? मेडिटेशन करने के बाद तो ये स्थिति सामान्य हो जानी चाहिए। लेकिन ऐसे भयानक सपने क्यों आते हैं?

उत्तर : प्रारंभ में मेडिटेशन जब मनुष्य करता है तो उसकी निगेटिव चीज़ें भी एक्टिवेट हो जाती हैं, वो निकलने लगती हैं। जैसे कई बार कोई दवाई देने से, विशेषकर आयुर्वेद वाले ये बताते हैं कि कोई बीमारी उभर सकती है, इससे डरे नहीं। मेडिटेशन लगातार करें। मैं समझता हूँ मुझे पूर्ण विश्वास है कि अगर पंद्रह दिन ये करें लगातार, आधा घंटा ज़रूर करें ये सोने से पहले। उसके चिंतन में नहीं, परमात्म चिंतन में। धीरे-धीरे ये पाएंगी कि ये जो ज़्यादा आने लगे हैं वो समाप्त होकर धीरे-धीरे माइनस की ओर चलेंगे।

प्रश्न : मेरी माँ को पिछले दस सालों से सिर दर्द हो रहा है। बहुत दवाइयां करवाई लेकिन कुछ असर नहीं कर रही हैं। वो जब भी बालों में तेल लगाती हैं सिर दर्द शुरु हो जाता है। वो इससे बहुत ज़्यादा परेशान हैं, कृपया बताएं क्या उपचार है?

उत्तर : सिर दर्द के बहुत सारे कारण होते हैं, ये मेडिकल साईंस भी मानती है। बहुत सारे कारण हैं। हमने तो ऐसे-ऐसे केस भी देखे बहुत एक्सपर्ट भी नहीं समझ पाते कि सिर दर्द का आखिर कारण क्या है! तो हम कारणों में नहीं जाएंगे। हम निवारण पर ध्यान देंगे। तो अगर तेल लगाने से दर्द होता है तो तेल लगाना छोड़ देना चाहिए। या फिर तेल भी अलग-अलग लगा कर देख लें जो इनको सेट होता

- राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

मन की बातें

हो। कभी-कभी तेल भी ऐसा होता है जो अन्दर जाते ही ब्रेन की उस चीज़ को एक्टिवेट कर देता है, और सिर दर्द होने लगता है। तो मैं सजेस्ट करूंगा कि एक तो आप पानी चार्ज करके पीएं। अब तेल भी जब ये लगाएं उसे भी चार्ज कर लें। कटोरी में ले लें थोड़ा उसको दृष्टि दें और सात बार संकल्प करें कि मैं परम पवित्र आत्मा हूँ। तेल चार्ज हो गया, फिर वो लगाएंगे। रात को सोते समय बिल्कुल जब नींद आ रही हो, हो सकता है इनको नींद न आती हो क्योंकि समस्या हो जाती है सिर दर्द वाले को। तो ये 108 बार लिखें कि मैं एक महान आत्मा हूँ। और फिर लास्ट में संकल्प करेंगे कि मेरा सिर दर्द बिल्कुल ठीक हो गया है। मैं सिर दर्द से मुक्त हूँ। अब मुझे गहरी नींद आएगी। मेरी नींद बहुत सतोप्रधान होगी। मेरा ब्रेन बिल्कुल फ्रेश है, एनर्जेटिक है। ऐसे संकल्प पाँच से सात बार करते-करते सो जायें। पानी और तेल चार्ज करना। साथ में इन्हें ब्रेन को एनर्जी देनी है। दोनों हाथों को मलते हुए तीन बार याद करेंगे मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। तो हाथों से शक्तियां निकलने लगती हैं। फील होने लगेगा। मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। अपने सिर पर हाथ रख दें, आँखें बंद कर लें। और एक मिनट फील करें, एनर्जी जा रही है ब्रेन को। मेरा सिर दर्द ठीक हो रहा है। ये संकल्प भी ज़रूरी है। ऐसा दस बार करें, दस मिनट। जैसा कि आज तक के अनुभव है, मुझे पूर्ण विश्वास है कि इससे मुक्त हो जाएंगे।

प्रश्न : मेरा नाम अमृता कुमारी है। प्रतिदिन लगभग सोते वक्त नींद में मुझे भूत दिखाई देते हैं। मतलब सपने में ही दिखाई देते हैं। जिससे मैं बहुत ज़्यादा डर जाती हूँ और लगभग आधी रात को मेरी आँख खुल जाती हैं। ये जो समस्या है, कई वर्षों से मेरे साथ चल रही है। कृपया इसका कोई निदान बताएं?

उत्तर : कुछ लोग भूतों में विश्वास करते हैं और कुछ लोग नहीं करते हैं। वो तो अलग सब्जेक्ट है। इनको कुछ भी दिखता हो छाया, लोग तो कह देते हैं कि इनको साइकेट्रिक प्रॉब्लम है। कई लोग सोचते हैं कि सपना है, कोई बात नहीं। लेकिन इनको रोज़ दिख रहा है तो चिंता तो होती ही होगी ना। डिम को क्लीन करने के लिए इनको एक छोटी-सी विधि अपनानी है। सोने से पहले सात बार याद करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। और सर्वशक्तिवान परमपिता मेरे साथ हैं। बस उसकी एनर्जी फैल जाएगी और उसके ब्रेन में भी जाएगी। इनके माइंड को भी इफेक्ट करेगी। और इस तरह के, बिना मतलब के सपने जो भी आते हैं, समाप्त हो जाएंगे। जैसे रात को डर के नींद खुल जाए तो ऐसी स्थिति में, यदि इन्होंने ज्ञान लिया है तो अव्यक्त महावाक्यों का अध्ययन कर लें दस पंद्रह मिनट ताकि वो बदल जाएं। अन्यथा वो विचार हावी रहते हैं। क्योंकि लंबे समय से इनको हो रहा है तो वो हावी रहना संभव है। दस-पंद्रह मिनट लगाएं मुकाबले इसके कि ये लेटी रहें और डरती रहें और बुरा-बुरा फील करती रहें। बैठें, लाइट जलाएं तो उस टाइम भी ये सात बार याद कर लें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। ये कुछ नहीं है। ये सिर्फ सपना था। मैं इनसे पॉवरफुल हूँ।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com